इक बार मैया मोरे अंगना में आना | By Mukesh Bagda |

इक बार मैया मोरे अंगना में आना,
आकर मैया मोहे दरश दिखाना,
इक बार मैया मोरे अँगना में आना,
आकर मैया मोहे दरश दिखाना।

हो, मैं निर्धन तेरी पूजा न जानूँ,
जग जननी माँ तुझको कैसे रिझाऊं,
आज पड़ेगा तुझको रिश्ता निभाना,
इक बार मैया मोरे अँगना में आना,
आकर मैया मोहे दरश दिखाना।

हो, काहे की मैया तेरी ज्योत जलाऊं ,
तेल दिया न बाती समझ न पाऊं,
अंतर मन में मेरे दीप जलाना,
इक बार मैया मोरे अँगना में आना,
आकर मैया मोहे दरश दिखाना।

हो, कुछ भी नहीं है पास में मेरे,
चंद लकीरें हैं हाथ में मेरे,
इन हाथों में तेरा नाम लिखना,
इक बार मैया मोरे अँगना में आना,
आकर मैया मोहे दरश दिखाना।

हो, तू महलों में रहने वाली,
लेकिन यहाँ है माँ झोपड़ी खाली,
कब तक पड़ेगा तेरा इंतज़ार करना,
इक बार मैया मोरे अँगना में आना,
आकर मैया मोहे दरश दिखाना।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%87%e0%a4%95-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%85%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82/